चम्पारण ज्ञानाग्रह

प्रार्थना-सभा सामग्री, दिनांक– 20 जुलाई 2026, अंक –315.

प्रस्तुतिः- GOVT. PS बोदसर, बगहा-2, प. चम्पारण (10010803702)

सौजन्य :- "TEACHERS OF BIHAR - THE CHANGE MAKERS."

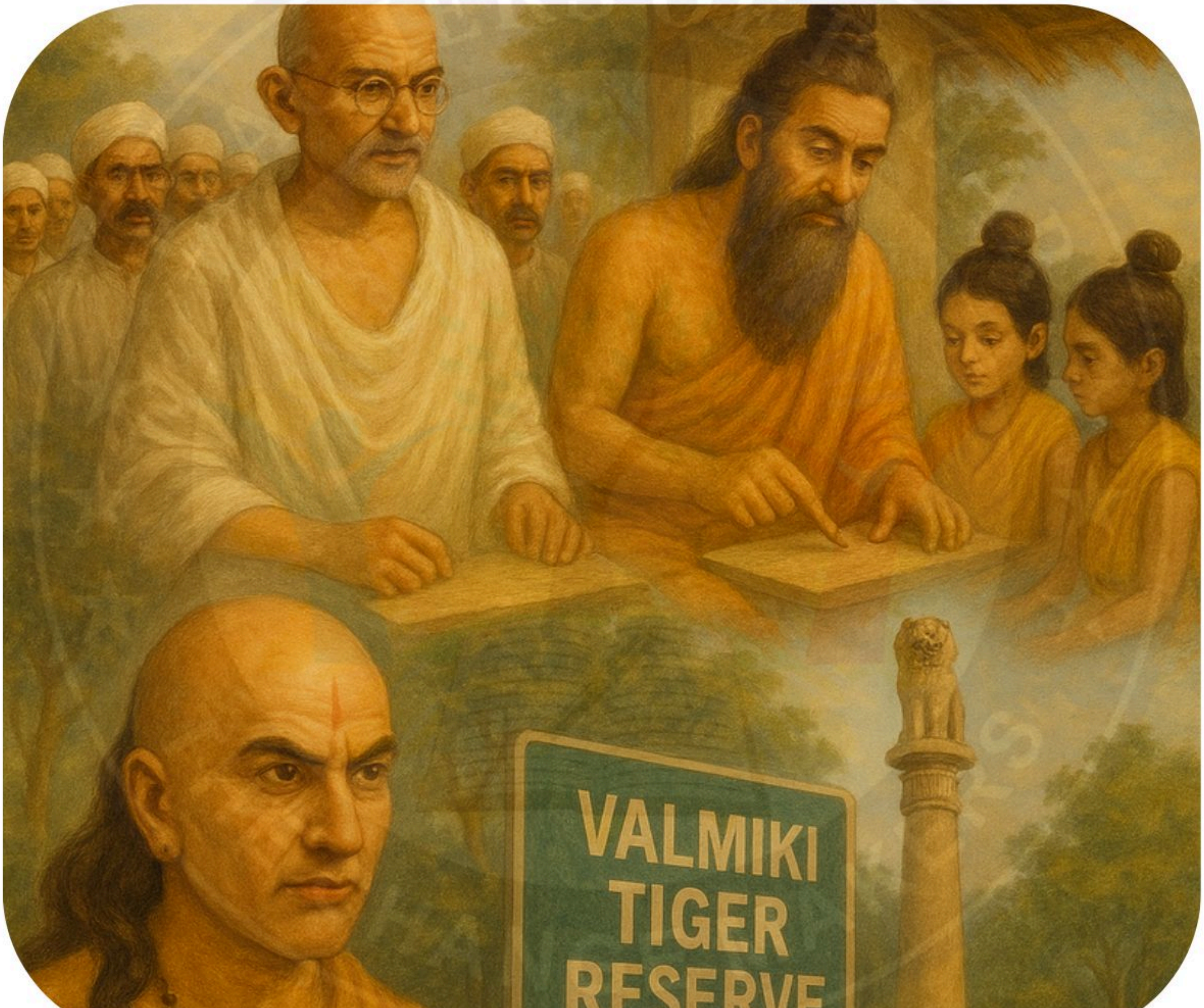

"पुस्तकों से बड़ा कोई मित्र नहीं होता।"
— थॉमस जेफरसन

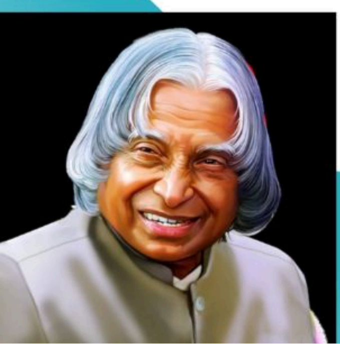

विद्यार्थियों की बौद्धिक और नैतिक उन्नति की ओर....

संपादकः- शैलेन्द्र कुमार

अनुभाग-1

"प्रार्थना-सभा सामग्री"

Monday Prayer

सुबह सवेरे लेकर तेरा नाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।

सदा हमारे सिर पर तेरा हाथ रहे,
हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे,
हां, हर सुख-दुख संकट में तेरा साथ रहे;
खुशियों का हो जीवन में आयाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मिलकर इस धरती को चमन बनाएं हम,
गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम।
हां, गांधी, गौतम, रामकृष्ण बन जाएं हम;
यही हमारा हो हरदम पैगाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

मात-पिता की सेवा और सम्मान करें,
उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
हां, उनकी खुशियों पर सब कुछ कुर्बान करें।
अच्छे कर्म का अच्छा परिणाम प्रभु,
करते हैं हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

शुद्ध भाव से तेरा ध्यान लगाएं हम,
विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
हाँ, विद्या का वरदान तुम्हीं से पाए हम।
तुम्ही से है आगाज़ तुम्हीं से अंजाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा.....

गुरुओं का सत्कार कभी न भूले हम,
इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
हाँ, इतना बनें महान गगन को छु ले हम।
तुम्हीं से है हर सुबह तुम्ही से शाम प्रभु,
करते है हम शुरु आज का काम प्रभु।
सुबह सवेरे लेकर तेरा....

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार ,
तुझको शत-शत वंदन बिहार..!

तू वाल्मीकि की रामायण
तू वैशाली का लोकतंत्र,
तू बोधिसत्व की करूणा है
तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप
तू हीं अक्षत चंदन बिहार

तू है अशोक की धर्मध्वजा
तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह
तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि
धरती का नंदन वन बिहार।

तेरी गौरव गाथा अपूर्व
तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान
अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार
मेरे भारत के कंठहार ॥

राष्ट्रीय गीत (190 सेकंड)

वन्दे मातरम्।
सुजलां सुफलां मलयजशीतलाम्,
शस्यश्यामलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
शुभ्रज्योत्स्ना पुलकित यामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदलशोभिनीम्,
सुहासिनीं सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदां वरदां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
कोटि-कोटि कण्ठ कलकल निनाद कराले,
कोटि-कोटि भुजैर्धृत खरकरवाले,
अबला केनो मा एतो बले?
बहुबलधारिणीं नमामि तारिणीं,
रिपुदलवारिणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि विद्या, त्वं हि धर्म,
त्वं हि हृदि, त्वं हि मर्म,
त्वं हि प्राणा: शरीरे।
बाहुते त्वं मा शक्ति,
हृदये त्वं मा भक्ति,
तोमारइ प्रतिमा गढ़ि
मन्दिरे-मन्दिरे।
वन्दे मातरम्॥
त्वं हि दुर्गा दशप्रहरणधारिणी,
कमला कमलदलविहारिणी,
वाणी विद्यादायिनी नमामि त्वाम्।
नमामि कमलाम् अमलाम् अतुलाम्,
सुजलां सुफलां मातरम्।
वन्दे मातरम्॥
श्यामलां सरलां सुस्मितां भूषिताम्,
धरणीं भरणीं मातरम्।
वन्दे मातरम्॥

राष्ट्रगान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्रविड़-उत्कल-बंग।
विंध्य-हिमाचल-यमुना-गंगा
उच्छल-जलधि-तरंग।
तव शुभ नामे जागे,
तव शुभ आशिष मांगे,
गाहे तव जय-गाथा।
जन-गण-मंगलदायक जय हे
भारत-भाग्य-विधाता।
जय हे, जय हे, जय हे,
जय जय जय जय हे।।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर,
बगहा-2, प. चंपारण।

संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग,
भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व-संपन्न, समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को: सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए, तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता एवं अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर, 1949 ई० (मिति मार्ग शीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत् दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

मौलिक अधिकार

1. "समता का अधिकार (Right to Equality.)" - अनुच्छेद 14–18
2. "स्वतंत्रता का अधिकार - (Right to Freedom.)" - अनुच्छेद 19–22
3. "शोषण के विरुद्ध अधिकार (Right against Exploitation.)" - अनुच्छेद 23–24
4. "धार्मिक स्वतंत्रता का अधिकार (Right to Freedom of Religion.)" - अनुच्छेद 25–28
5. "संस्कृति एवं शिक्षा संबंधी अधिकार (Cultural and Educational Right.)" - अनुच्छेद 29–30
6. "संवैधानिक उपचारों का अधिकार (Right to Constitutional Remedies.)" - अनुच्छेद 32

मौलिक कर्तव्य

अनुच्छेद 51(क) – मौलिक कर्तव्य:
भारत के प्रत्येक नागरिक का यह कर्तव्य होगा कि वह –
(1.) संविधान का पालन करे और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज और राष्ट्रगान का आदर करे;
(2.) स्वतन्त्रता के लिए हमारे राष्ट्रीय आन्दोलन को प्रेरित करने वाले उच्च आदर्शों को हृदय में संजोए रखे और उनका पालन करे;
(3.) भारत की प्रभुता, एकता और अखण्डता की रक्षा करे और उसे अक्षुण्ण रखे;
(4.) देश की रक्षा करे और आह्वान किए जाने पर राष्ट्र की सेवा करे;
(5.) भारत के सभी लोगों में समरसता और समान भ्रातृत्व की भावना का निर्माण करे जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग पर आधारित सभी भेदभाव से परे हो; ऐसी प्रथाओं का त्याग करे जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं;
(6.) हमारी सामासिक संस्कृति की गौरवशाली परम्परा का महत्त्व समझे और उसका परिरक्षण करे;
(7.) प्राकृतिक पर्यावरण, जिसके अंतर्गत वन, झील, नदी और वन्य जीव हैं, की रक्षा करे और उसका संवर्धन करे तथा प्राणिमात्र के प्रति दयाभाव रखे;
(8.) वैज्ञानिक दृष्टिकोण, मानववाद और ज्ञानार्जन तथा सुधार की भावना का विकास करे;
(9.) सार्वजनिक सम्पत्ति की रक्षा करे और हिंसा से दूर रहे;
(10.) व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों के सभी क्षेत्रों में उत्कर्ष की ओर बढ़ने का सतत प्रयास करे जिससे राष्ट्र निरन्तर बढ़ते हुए प्रयत्नों द्वारा उन्नति की नई ऊँचाइयों को छू ले;
(11.) यदि वह माता-पिता या संरक्षक है, तो छह वर्ष से चौदह वर्ष तक की आयु वाले अपने, यथास्थिति, बच्चे या प्रतिपाल्य को शिक्षा के अवसर प्रदान करे।

अनुभाग-2

वर्ग:- प्राथमिक (1 - 5) के लिए

सामान्य-ज्ञान

प्रश्न 1. कनाडा की राजधानी क्या है?
उत्तर: ओटावा
प्रश्न 2. भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस (INC) की पहली महिला अध्यक्ष कौन थीं?
उत्तर: एनी बेसेंट
प्रश्न 3. 'डांडिया रास' किस राज्य का प्रसिद्ध लोकनृत्य है?
उत्तर: गुजरात
प्रश्न 4. 125 का घनमूल (Cube Root) क्या है?
उत्तर: 5
प्रश्न 5. बिहार का प्रसिद्ध 'विष्णुपद मंदिर' किस शहर में स्थित है?
उत्तर: गया
प्रश्न 6. साइलेंट वैली राष्ट्रीय उद्यान किस राज्य में स्थित है?
उत्तर: केरल
प्रश्न 7. सेफ्टी रेज़र (Safety Razor) का आविष्कार किसने किया?
उत्तर: किंग कैम्प जिलेट
प्रश्न 8. भारतीय संविधान के किस अनुच्छेद में 'सांस्कृतिक और शैक्षिक अधिकार' (Cultural and Educational Rights) दिए गए हैं?
उत्तर: अनुच्छेद 29–30
प्रश्न 9. 'कठोर' शब्द का विलोम क्या है?
उत्तर: कोमल
प्रश्न 10. पृथ्वी सूर्य की परिक्रमा लगभग कितने दिनों में पूरी करती है?
उत्तर: 365 दिन

संकलन:-

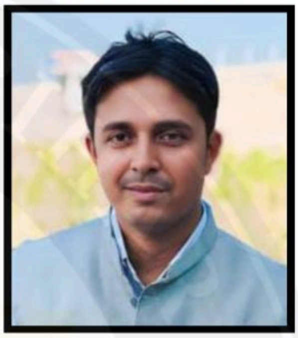

पिन्टू कुमार
विद्यालय अध्यापक
UHS रामपुर, बगहा-2

शब्द - संगम

Shampoo – (शैम्पू) – शैम्पू
Toothpick – (टूथपिक) – दाँत साफ करने की तीली
Mug – (मग) – मग
Dustbin – (डस्टबिन) – कूड़ादान
Broom – (ब्रूम) – झाड़ू
Mop – (मॉप) – पोछा
Detergent – (डिटर्जेंट) – कपड़े धोने का साबुन / डिटर्जेंट

संकलन:-
सौरभ कुमार
विद्यालय अध्यापक
Govt. UMS गोइती
बगहा-2, प. चम्पारण

English गप-शप

थीम: Negative Imperative Sentences (Don't...)

शोर मत करो। – Don't make noise.
देर मत करो। – Don't be late.
झूठ मत बोलो। – Don't tell a lie.
दौड़ो मत। – Don't run.
कक्षा में मत खाओ। – Don't eat in the classroom.

संकलन:-
अभिनव राज
प्रधान शिक्षक
रा० प्रा० वि० शेखधुरवा
चनपटिया, प. चम्पारण।

"सामान्य-ज्ञान"(वर्ग:6-12)

प्र.1. 20 जुलाई को कौन सा महत्वपूर्ण दिवस मनाया जाता है? (महत्वपूर्ण दिवस)
उत्तर: अंतरराष्ट्रीय चंद्रमा दिवस (International Moon Day)
व्याख्या: प्रतिवर्ष 20 जुलाई को "अंतरराष्ट्रीय चंद्रमा दिवस" (International Moon Day) मनाया जाता है जो 20 जुलाई 1969 को चंद्रमा पर मनुष्य के पहले कदम की स्मृति में मनाया जाता है और वैज्ञानिक उपलब्धियों, शांतिपूर्ण अंतरिक्ष अन्वेषण एवं अंतरराष्ट्रीय सहयोग का उत्सव मनाता है। (PWOnlyIAS) यह ऐतिहासिक घटना "अपोलो 11" मिशन के अंतर्गत हुई जिसमें नील आर्मस्ट्रांग और बज़ एल्ड्रिन चंद्रमा पर उतरे — आर्मस्ट्रांग ने कहा "That's one small step for man, one giant leap for mankind!" भारत का "चंद्रयान-3" (23 अगस्त 2023) चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर उतरने वाला विश्व का पहला मिशन था। संयुक्त राष्ट्र ने 2021 में इस दिवस को घोषित किया।
संदर्भ: vajiramandravi.com Important Days July 2026;

प.2. 18 जुलाई 2026 को भारत के पहले निजी ऑर्बिटल रॉकेट "विक्रम-1" का प्रक्षेपण हुआ — यह किस स्थान से, किसने बनाया और इसका क्या परिणाम रहा? (समसामयिक घटना)
उत्तर: सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र, श्रीहरिकोटा; स्काईरूट एयरोस्पेस; सफल प्रक्षेपण
व्याख्या: विक्रम-1 रॉकेट 18 जुलाई 2026 को आंध्र प्रदेश के श्रीहरिकोटा स्थित सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से 12:05 बजे प्रक्षेपित किया गया। (InsightsIAS) हैदराबाद स्थित स्काईरूट एयरोस्पेस द्वारा निर्मित यह भारत का पहला निजी क्षेत्र का ऑर्बिटल-क्लास रॉकेट है। इस मिशन का नाम "आगमन" (Agaman) था। विक्रम-1 पृथ्वी की निम्न कक्षा (LEO) में 350 किग्रा भार ले जाने में सक्षम है। यह भारत के "IN-SPACe" (Indian National Space Promotion & Authorisation Centre) ढाँचे के अंतर्गत निजी अंतरिक्ष उद्योग की ऐतिहासिक सफलता है। स्काईरूट की स्थापना 2018 में पूर्व ISRO वैज्ञानिकों ने की थी।
संदर्भ: gktoday.in Current Affairs 18 July 2026

प्र.3. "गोदान" (1936) और "गबन" (1931) किस प्रसिद्ध हिंदी लेखक की कृतियाँ हैं जिन्हें "उपन्यास सम्राट" कहा जाता है? (पुस्तक एवं लेखक)
उत्तर: मुंशी प्रेमचंद
व्याख्या: मुंशी प्रेमचंद (31 जुलाई 1880 — 8 अक्टूबर 1936) हिंदी और उर्दू साहित्य के महानतम लेखकों में से एक हैं। जुलाई माह में उनकी जन्मतिथि (31 जुलाई) निकट होने के कारण यह प्रश्न विशेष रूप से प्रासंगिक है। "गोदान" भारतीय कृषक जीवन की पीड़ा का महाकाव्य है जबकि "गबन" मध्यवर्गीय लालच और दिखावे पर आधारित है। उनकी कहानियों में "ईदगाह", "पूस की रात", "कफ़न" विशेष रूप से प्रसिद्ध हैं। उनकी रचनाएँ हिंदी, उर्दू के अतिरिक्त अनेक भाषाओं में अनूदित हुई हैं। उनका जन्म वाराणसी के निकट लमही गाँव में हुआ था।
संदर्भ: UPSC GS-I Indian Literature Reference; Sahitya Akademi Records; NCERT Hindi Class 10.

प्र.4. "वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972" के अंतर्गत भारत में वन्यजीवों को किन अनुसूचियों में वर्गीकृत किया जाता है और "अनुसूची I" का क्या महत्व है? (पर्यावरण/ग्लोबल वॉर्मिंग)
उत्तर: छह अनुसूचियाँ; अनुसूची I — सर्वाधिक संरक्षित प्रजातियाँ
व्याख्या: भारत का वन्यजीव संरक्षण अधिनियम 1972 वन्यजीवों को छह अनुसूचियों में वर्गीकृत करता है। "अनुसूची I" में वे प्रजातियाँ हैं जिन्हें सर्वोच्च कानूनी संरक्षण प्राप्त है — इनके शिकार, व्यापार या उत्पीड़न पर कठोरतम दंड का प्रावधान है। बाघ, हाथी, गैंडा, हिम तेंदुआ, शेर अनुसूची I में हैं। "अनुसूची II" में भी उच्च सुरक्षा प्राप्त प्रजातियाँ हैं। अनुसूची III, IV में कम संकटग्रस्त और अनुसूची V में "हानिकारक वन्यजीव" (जैसे चूहे) हैं जिनका शिकार कुछ शर्तों पर हो सकता है। अनुसूची VI में संकटग्रस्त पादप प्रजातियाँ सम्मिलित हैं। इस अधिनियम को 2022 में संशोधित किया गया।
संदर्भ: NCERT Science Class 8, Ch 7 Conservation of Plants and Animals, p. 88–91;

प्र.5. "मराठा साम्राज्य" के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज ने "अष्टप्रधान" (Ashtapradhan) मंत्रिमंडल की स्थापना की — इसमें कौन सा मंत्री सबसे महत्वपूर्ण था और उसकी भूमिका क्या थी? (इतिहास)
उत्तर: पेशवा; प्रधानमंत्री (Chief Minister)
व्याख्या: छत्रपति शिवाजी महाराज (1630-1680) ने मराठा साम्राज्य की स्थापना की और "अष्टप्रधान" (आठ मंत्रियों का मंत्रिमंडल) प्रणाली लागू की। इसमें: "पेशवा" (प्रधानमंत्री), "अमात्य/मजमुदार" (वित्त मंत्री), "सचिव/शुरुनविस" (पत्राचार), "मंत्री/वाकनीस" (राजकीय गुप्तचर), "सेनापति/सर-ए-नौबत" (सेना प्रमुख), "पंडितराव" (धर्म), "न्यायाधीश" (न्याय), "दबीर" (विदेश) — ये आठ प्रमुख मंत्री थे। "पेशवा" सर्वाधिक महत्वपूर्ण पद था। बाद में पेशवा ही वास्तविक शासक बन गए। 1674 में रायगढ़ दुर्ग में शिवाजी का राज्याभिषेक हुआ।
संदर्भ: NCERT History Class 7, Ch 10 Eighteenth Century Political Formations, p. 120–124;

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.6. भारत में "अरावली पर्वत श्रृंखला" (Aravalli Range) किन राज्यों में फैली है और यह विश्व की किन प्राचीनतम पर्वत श्रृंखलाओं में से एक क्यों मानी जाती है? (भूगोल)
उत्तर: राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली, गुजरात; 350 करोड़ वर्ष प्राचीन
व्याख्या: अरावली पर्वत श्रृंखला भारत की सबसे प्राचीन वलित पर्वत श्रृंखला है जो लगभग 350 करोड़ वर्ष (3.5 अरब वर्ष) पुरानी मानी जाती है। यह राजस्थान, हरियाणा, दिल्ली और गुजरात में लगभग 800 किमी की लंबाई में फैली है। इसका सर्वोच्च शिखर "गुरुशिखर" (1722 मीटर) राजस्थान में माउंट आबू के निकट स्थित है। अरावली थार मरुस्थल और उपजाऊ उत्तर भारतीय मैदान के बीच एक प्राकृतिक अवरोधक का काम करती है। यह "प्रायद्वीपीय पठार" का भाग है। हाल ही में अरावली वन्य क्षेत्र की कटाई एक पर्यावरणीय विवाद का विषय रही है।
संदर्भ: NCERT Geography Class 9, Ch 2 Physical Features of India, p. 13–16.

प्र.7. भारत के "नीति आयोग" (NITI Aayog) की स्थापना किस वर्ष हुई, इसने किस संस्था का स्थान लिया और इसके पहले उपाध्यक्ष कौन थे? (राजनीति एवं संविधान)
उत्तर: 1 जनवरी 2015; योजना आयोग (Planning Commission); अरविंद पनगड़िया
व्याख्या: NITI Aayog (National Institution for Transforming India) की स्थापना 1 जनवरी 2015 को की गई, जिसने 1950 में स्थापित "योजना आयोग" (Planning Commission) का स्थान लिया। NITI Aayog एक नीति-निर्माण थिंक टैंक है न कि योजना आयोग जैसी निधि-आवंटन संस्था। इसके प्रथम उपाध्यक्ष (Vice-Chairman) अरविंद पनगड़िया थे। इसके अध्यक्ष पदेन प्रधानमंत्री होते हैं। "17 जुलाई 2026 को NITI Aayog ने Investment Friendliness Index 2026 जारी किया" — यह इसकी नवीनतम प्रासंगिकता है। NITI Aayog "सहकारी संघवाद" (Cooperative Federalism) को बढ़ावा देता है।
संदर्भ: NCERT Political Science Class 10, Ch 2 Federalism, p. 24

प्र.8. "जड़त्व का नियम" (Law of Inertia) किसने प्रतिपादित किया और इसका दैनिक जीवन में कौन सा उदाहरण इसे सबसे अच्छी तरह समझाता है? (विज्ञान)
उत्तर: न्यूटन (गति का प्रथम नियम); बस के अचानक रुकने पर यात्री आगे झुकना
व्याख्या: "जड़त्व का नियम" (Law of Inertia) वैज्ञानिक सर आइज़ैक न्यूटन का "गति का प्रथम नियम" है: "प्रत्येक वस्तु अपनी विराम अवस्था या एकसमान गति की अवस्था में तब तक बनी रहती है जब तक उस पर कोई बाह्य बल न लगाया जाए।" जड़त्व (Inertia) वस्तु की अपनी अवस्था बनाए रखने की प्रवृत्ति है। उदाहरण: (1) बस अचानक रुकने पर यात्री आगे झुकते हैं — शरीर गति में था और रुकना नहीं चाहता; (2) कंबल को झाड़ने पर धूल गिरती है; (3) चलती गाड़ी से कूदने पर व्यक्ति आगे की ओर गिरता है। "जड़त्व का मापक द्रव्यमान (Mass) है।"
संदर्भ: NCERT Science Class 9, Ch 9 Force and Laws of Motion, p. 118–122.

प्र.9. "बिहू नृत्य" (Bihu Dance) को UNESCO ने अमूर्त सांस्कृतिक विरासत में कब शामिल किया और "सत्त्रिया नृत्य" (Sattriya) किस राज्य की शास्त्रीय नृत्य शैली है? (कला एवं संस्कृति)
उत्तर: 2024 में; असम
व्याख्या: UNESCO ने दिसंबर 2024 में असम के "बिहू नृत्य और संगीत" को "मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत" (Intangible Cultural Heritage of Humanity) की प्रतिनिधि सूची में शामिल किया। बिहू असम के तीन प्रमुख पर्वों — रोंगाली (वसंत), भोगाली (फसल) और कोंगाली (कार्तिक) — पर मनाया जाता है। "सत्त्रिया नृत्य" (Sattriya) भी असम की ही एक शास्त्रीय नृत्य शैली है जिसे 15वीं शताब्दी में वैष्णव संत श्रीमंत शंकरदेव ने विकसित किया था। इसे 2000 में संगीत नाटक अकादमी ने भारत की 8 शास्त्रीय नृत्य शैलियों में शामिल किया। असम से दो नृत्य परंपराएँ — एक लोक, एक शास्त्रीय — दोनों महत्वपूर्ण हैं।
संदर्भ: NCERT Class 11 — An Introduction to Indian Art, Ch 6 Performing Arts, p. 78;

प्र.10. बिहार के "पूर्वी चंपारण जिले" में स्थित "अरेराज" क्षेत्र किस हिंदू पर्व के लिए प्रसिद्ध है और यहाँ स्थित "सोमेश्वर मंदिर" किस नदी के तट पर स्थित है? (बिहार सामान्य ज्ञान)
उत्तर: शिवरात्रि महोत्सव और बोलबम यात्रा; बागमती नदी
व्याख्या: पूर्वी चंपारण जिले का "अरेराज" नगर बिहार के प्रमुख धार्मिक-ऐतिहासिक स्थलों में से एक है। यहाँ स्थित "सोमेश्वरनाथ महादेव मंदिर" बागमती नदी के तट पर है जो शिव भक्तों का अत्यंत पवित्र तीर्थस्थल है। प्रतिवर्ष श्रावण माह में "बोलबम यात्रा" के अंतर्गत लाखों कांवरिये बागमती नदी से जल लेकर पैदल यहाँ पहुँचते हैं। महाशिवरात्रि पर यहाँ विशाल मेला लगता है। पूर्वी चंपारण में "केसरिया स्तूप" (विश्व का सबसे ऊँचा बौद्ध स्तूप) और "मोतिहारी" (गाँधी जी का चंपारण सत्याग्रह केंद्र) भी स्थित हैं। यह जिला चंपारण की धार्मिक, बौद्ध और राष्ट्रीय विरासत का समृद्ध संगम है।
संदर्भ: Bihar Tourism Official Portal — Areraj; Bihar GK BPSC Reference Compendium

"सामान्य-ज्ञान"

प्र.11. मुख्यमंत्री विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम के जुलाई माह के बाढ़ सुरक्षा मॉड्यूल के अनुसार, "बाढ़ प्रभावित क्षेत्र में विद्यालय के शिक्षक अभिभावकों को कैसे सूचित करें" – इसके लिए BSDMA ने कौन सी संचार प्रणाली की अनुशंसा की है? (विद्यालय सुरक्षा कार्यक्रम)

उत्तर: मोबाइल SMS/WhatsApp ग्रुप, ग्राम पंचायत मेगाफोन, CUG नंबर

व्याख्या: BSDMA के बाढ़ संचार मॉड्यूल (जुलाई W4) के अनुसार, विद्यालय और अभिभावकों के बीच बाढ़ आपातकाल में संचार हेतु: (1) WhatsApp/SMS ग्रुप – प्रत्येक कक्षा के लिए अभिभावकों का ग्रुप पहले से बनाएँ; (2) ग्राम पंचायत मेगाफोन/ढिंढोरा – जहाँ नेटवर्क नहीं वहाँ पारंपरिक घोषणा; (3) CUG (Closed User Group) नंबर – जिला शिक्षा पदाधिकारी, BEO और BRP को आपदा के समय सीधे संपर्क के लिए; (4) पंचायत सेवक/आंगनबाड़ी कार्यकर्ता – अभिभावकों तक व्यक्तिगत संदेश पहुँचाने में; (5) विद्यालय की घंटी का विशेष संकेत – तीन बार लगातार बजाना आपातकाल का संकेत हो। चंपारण जैसे क्षेत्र में जहाँ नेटवर्क बाधित हो सकता है, वहाँ वैकल्पिक संचार तंत्र अनिवार्य है।

संदर्भ: BSDMA Communication Protocol, Vidyalaya Suraksha Karyakram;

प्र.12. FIFA विश्व कप 2026 के इतिहास में स्पेन ने कुल कितनी बार विश्व कप जीता है? यदि ब्राजील ने 5 बार, जर्मनी ने 4 बार, इटली ने 4 बार, अर्जेंटीना ने 3 बार और फ्रांस ने 2 बार जीता है – तो इन सभी देशों के कुल खिताबों का योग कितना है? और यदि स्पेन 2026 में जीतता है तो यह योग कितना होगा? (रोचक पहेली/गणित/रीज़निंग)

उत्तर: स्पेन – 1 बार; वर्तमान योग = 5+4+4+3+2+1 = 19; स्पेन जीतने पर = 20

व्याख्या: स्पेन ने अब तक केवल 1 बार विश्व कप जीता है (2010, दक्षिण अफ्रीका में नीदरलैंड्स को हराकर)। सभी देशों के खिताबों का वर्तमान योग: ब्राजील (5) + जर्मनी (4) + इटली (4) + अर्जेंटीना (3) + फ्रांस (2) + स्पेन (1) = 19 खिताब। यदि स्पेन 2026 का फाइनल जीतता है: स्पेन के खिताब = 2, और कुल योग = 19 – 1 + 2 = 20। यह प्रश्न "योग" (Addition/Summation), "सशर्त गणना" (Conditional Calculation) और खेल GK को एकसाथ जोड़ता है। FIFA विश्व कप से जुड़े GK प्रश्न BPSC और अन्य प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रायः पूछे जाते हैं।

GS संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
Govt. PS बोदसर
बगहा-2, प. चम्पारण ।

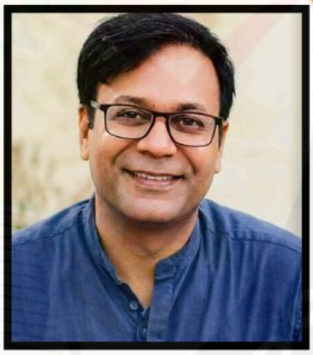

अनुभाग-4

-: शब्द - संगम :-

Lurid (ल्यूरिड) = Sensational (सेंसेशनल) = सनसनीखेज / भड़काऊ
Antonym – Modest (मॉडेस्ट) = सादा / संयमित

Maverick (मैवरिक) = Nonconformist (नॉनकन्फॉर्मिस्ट) = परंपराओं से हटकर चलने वाला / स्वतंत्र विचारों वाला
Antonym – Conformist (कन्फॉर्मिस्ट) = परंपराओं का पालन करने वाला

Nefarious (नेफेरियस) = Wicked (विकिड) = दुष्ट / अत्यंत अनैतिक
Antonym – Virtuous (वर्चुअस) = सदाचारी / नैतिक

Onerous (ऑनरस) = Burdensome (बर्डनसम) = बोझिल / कठिन
Antonym – Effortless (एफर्टलेस) = सहज / बिना कठिनाई के

Parsimonious (पार्सिमोनियस) = Miserly (माइज़रली) = अत्यंत कंजूस
Antonym – Liberal (लिबरल) = उदार / खुले हाथ से खर्च करने वाला

~: संकलन :~
राकेश कुमार राव
प्रधानाध्यापक
PMश्री +2 NGY उच्च विद्यालय
वाल्मीकिनगर, बगहा-2 , प. चम्पारण ।

"आज का अख़बार"

NATIONAL NEWS

1. India Makes History: Vikram-1 Successfully Launches — India Becomes World's 3rd Nation with Private Orbital Rocket Capability

हिन्दी अनुवाद: भारत ने इतिहास रचा: Vikram-1 का सफल प्रक्षेपण — भारत निजी कक्षीय रॉकेट क्षमता वाला विश्व का तीसरा देश बना।

18 जुलाई 2026 को सुबह 11:30 बजे Skyroot Aerospace ने Sriharikota के सतीश धवन अंतरिक्ष केंद्र से अपने Vikram-1 रॉकेट का ऐतिहासिक पहला कक्षीय प्रक्षेपण किया — इसे 'Mission Aagaman' नाम दिया गया। इस सफलता के साथ भारत निजी कक्षीय प्रक्षेपण क्षमता वाला विश्व का तीसरा देश बन गया। यह 24 मीटर ऊँचा रॉकेट 4-stage का है, carbon-composite से निर्मित है और Low Earth Orbit में 350 किग्रा तक payload पहुँचाने में सक्षम है। PM मोदी ने इसे "भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक ऐतिहासिक नया क्षितिज" बताया और कहा — "यह युवाओं को बड़े सपने देखने और निडरता से नवाचार करने के लिए प्रेरित करेगा।" Skyroot की स्थापना पूर्व ISRO वैज्ञानिक Pawan Chandana और Bharath Dhaka (दोनों IIT alumni) ने 2018 में की थी। नवंबर 2022 में Skyroot ने sub-orbital Vikram-S लॉन्च कर अंतरिक्ष में जाने वाली भारत की पहली निजी कंपनी बनी थी — अब Vikram-1 ने उसे एक नई ऊँचाई दी है।

2. Sonam Wangchuk Forcibly Removed from Jantar Mantar; Shifted to Safdarjung Hospital After 20-Day Hunger Strike

हिन्दी अनुवाद: जंतर-मंतर से सोनम वांगचुक को 18 जुलाई को दिल्ली पुलिस ने हटाया; 20 दिन के अनशन के बाद सफदरजंग अस्पताल में भर्ती — लद्दाख स्टेटहुड माँग पर विवाद गहराया।

लद्दाख के जलवायु कार्यकर्ता सोनम वांगचुक 18 जुलाई 2026 को जंतर-मंतर से हटाए गए जहाँ वे 20 दिनों से अनशन पर थे। DCP (New Delhi) Sachin Sharma ने कहा कि वांगचुक को "दिल्ली हाईकोर्ट के आदेश और उनकी स्वास्थ्य स्थिति के आधार पर आवश्यक चिकित्सा हस्तक्षेप के लिए" सरकारी अस्पताल में स्थानांतरित किया गया। वांगचुक की पत्नी गीतांजलि अंगमो ने कहा — "अनशन जारी है क्योंकि वे कोई चीनी नहीं ले रहे, केवल नमक-पानी ले रहे हैं।" वांगचुक लद्दाख को संविधान की छठी अनुसूची के अंतर्गत जनजातीय सुरक्षा और पूर्ण राज्यत्व दर्जे की माँग को लेकर अनशन पर थे। ममता बनर्जी सहित कई नेताओं ने चिंता व्यक्त की।

3. Amarnath and Vaishno Devi Yatras Suspended on July 19 Due to Inclement Weather; Pilgrims Asked to Halt at Base Camps

हिन्दी अनुवाद: 19 जुलाई को खराब मौसम के कारण अमरनाथ और वैष्णो देवी यात्रा अस्थायी रूप से स्थगित; श्रद्धालुओं को बेस कैम्प पर रोका गया।

श्री अमरनाथ और श्री माता वैष्णो देवी यात्राएं 19 जुलाई को खराब मौसम के पूर्वानुमान के कारण अस्थायी रूप से स्थगित कर दी गई हैं। अमरनाथ यात्रा प्रबंधन बोर्ड ने कहा कि मार्ग पर भूस्खलन और अत्यधिक वर्षा के कारण यह निर्णय लिया गया। श्रद्धालुओं को Baltal और Pahalgam बेस कैम्प पर रुकने की सलाह दी गई है। यात्रा की पुनः शुरुआत मौसम की स्थिति सामान्य होने पर की जाएगी।

INTERNATIONAL NEWS

1. FIFA World Cup 2026 Grand Final Today: Spain vs Argentina at MetLife Stadium — Mbappe vs Messi Golden Boot Race; Trump to Attend

हिन्दी अनुवाद: FIFA विश्व कप 2026 महाफाइनल आज: MetLife Stadium में स्पेन बनाम अर्जेंटीना — एम्बापे बनाम मेसी Golden Boot दौड़; ट्रम्प भी उपस्थित होंगे।

FIFA विश्व कप 2026 का फाइनल स्पेन और अर्जेंटीना के बीच 19 जुलाई को East Rutherford, New Jersey के MetLife Stadium में खेला जाएगा। FIFA ने पहले ही राष्ट्रपति ट्रम्प की उपस्थिति की पुष्टि की है। Spain ने Semifinal में France को 2-0 से और Argentina ने England को 2-1 से हराकर Final में प्रवेश किया। France के Mbappe ने England के खिलाफ 2 गोल और किए जिससे tournament में उनके कुल 10 गोल हो गए — वे Golden Boot में Messi से 2 आगे हैं। यह पहला अवसर है जब स्पेन और अर्जेंटीना FIFA विश्व कप फाइनल में आमने-सामने होंगे। Halftime Show में Madonna, Shakira और BTS प्रदर्शन करेंगे। Kickoff: रात 12:30 बजे IST।

2. US-Iran War: America Strikes Iran After Hormuz Attack; Middle East Remains on Knife's Edge

हिन्दी अनुवाद: अमेरिका-ईरान युद्ध जारी: होर्मुज़ में हमले के बाद अमेरिका के जवाबी प्रहार; मध्य पूर्व में तनाव चरम पर — भारत के कूटनीतिक प्रयास जारी।

होर्मुज़ जलडमरूमध्य में ईरान के व्यावसायिक जहाज़रानी पर हमलों के बाद अमेरिका ने जवाबी प्रहार किए। इस युद्ध की पृष्ठभूमि में — 28 फरवरी 2026 को अमेरिका-इज़राइली हमले में सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मृत्यु और नए सर्वोच्च नेता मोजतबा खामेनेई का बदले का संकल्प — तनाव को गहरा बना रहे हैं। भारत ने एक भारतीय नाविक की मृत्यु पर ईरानी DCM को तलब किया था और अब क्षेत्र में फँसे भारतीय नागरिकों की सुरक्षा के लिए राजनयिक प्रयास जारी हैं।

3. Former PM H.D. Deve Gowda's Wife Chennamma Passes Away

हिन्दी अनुवाद: पूर्व प्रधानमंत्री एच.डी. देवगौड़ा की पत्नी चन्नम्मा का निधन — राजनीतिक जगत में शोक।

पूर्व प्रधानमंत्री H.D. देवगौड़ा की पत्नी चन्नम्मा का निधन हो गया है। BJP सांसद के. सुधाकर ने शोक व्यक्त करते हुए कहा — "यह देवगौड़ा परिवार के लिए एक दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण घटना है। देवगौड़ा जी ने अपना सारा समय राजनीति को समर्पित किया और उनकी अनुपस्थिति में चन्नम्मा ने परिवार को संभालने में स्तंभ की भूमिका निभाई।" H.D. देवगौड़ा जून 1996 से अप्रैल 1997 तक भारत के 11वें प्रधानमंत्री रहे — यह जानकारी UPSC/BPSC परीक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण है।

BIHAR NEWS

1. Bihar Flood: West Champaran Villages Submerged; Gandak, Bagmati, Budhi Gandak Above Danger Mark; CM Samrat Choudhary Reviews Relief
हिन्दी अनुवाद: बिहार बाढ़: पश्चिम चम्पारण में सैकड़ों गाँव जलमग्न; गंडक-बागमती-बूढ़ी गंडक खतरे के निशान से ऊपर; CM सम्राट चौधरी की राहत समीक्षा।
नेपाल के तराई और जलग्रहण क्षेत्रों में भारी वर्षा के कारण गंडक, बागमती और दुधौरा नदियाँ खतरनाक रूप से उफान पर हैं। पश्चिम चम्पारण के पिपरासी और मधुबनी ब्लॉकों में 300 से अधिक घर जलमग्न हो गए हैं जिससे दर्जनों परिवारों को सुरक्षित स्थानों पर जाना पड़ा। बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने राहत अभियानों की समीक्षा की और तेज़ी लाने का निर्देश दिया। उपमुख्यमंत्री एवं जल संसाधन मंत्री विजय कुमार चौधरी ने तटबंध इंजीनियरों को 24 घंटे निगरानी के निर्देश दिए। पश्चिम चम्पारण, पूर्वी चम्पारण, सीतामढ़ी, शिवहर, मुजफ्फरपुर, सुपौल, सहरसा और अररिया सर्वाधिक प्रभावित ज़िलों में हैं।

2. BPSC 72nd CCE Prelims Tomorrow (July 26): Final Checklist for 1,142-Post Exam; New MCQ Option 'E' Key Alert
हिन्दी अनुवाद: BPSC 72वीं CCE प्रारंभिक परीक्षा कल (26 जुलाई): 1,142 पदों की परीक्षा के लिए अंतिम तैयारी सूची — MCQ में नए विकल्प 'E' पर विशेष ध्यान दें।
BPSC 72वीं संयुक्त प्रारंभिक प्रतियोगी परीक्षा कल 26 जुलाई 2026 (रविवार) को आयोजित होगी। परीक्षा से पूर्व अभ्यर्थियों के लिए अंतिम चेकलिस्ट: (1) Admit Card — bpsc.bihar.gov.in से डाउनलोड करें; (2) MCQ में 5वाँ विकल्प 'E' (Not Attempted) — इसका अर्थ है प्रश्न को खाली छोड़ना; गलत उत्तर और 'E' में फर्क समझें; (3) परीक्षा केंद्र पर 30 मिनट पहले पहुँचें; (4) मान्य Photo ID साथ रखें; (5) कोई भी इलेक्ट्रॉनिक उपकरण परीक्षा हॉल में न ले जाएं। पद: SDO, DSP, District Commandant, Sub Registrar सहित कुल 1,142।

SPORTS NEWS

1. FIFA World Cup 2026 Final — TONIGHT: Spain vs Argentina; Lamine Yamal vs Messi — Football's Greatest Chapter to Be Written at MetLife
हिन्दी अनुवाद: FIFA विश्व कप 2026 फाइनल — आज रात: स्पेन बनाम अर्जेंटीना; लामिने यामल बनाम मेसी — MetLife में फुटबॉल इतिहास का सबसे महान अध्याय।
Spain ने पूरे tournament में Belgium को छोड़कर किसी भी प्रतिद्वंद्वी को गोल नहीं करने दिया। Spain का tournament record: Cape Verde से 0-0 ड्रॉ के बाद लगातार 6 जीतें। Argentina का tournament record: Group stage में Algeria (3-0), Austria (4-0), Saudi Arabia (2-0), Uruguay (1-0); नॉकआउट में Cape Verde (3-2 AET), Egypt (3-2), Switzerland (3-1 AET) और England (2-1) को हराया। यह पहली बार होगा जब Lamine Yamal और Lionel Messi अंतरराष्ट्रीय स्तर पर आमने-सामने होंगे — वही Yamal जो Messi के साथ 2006 के एक UNICEF Charity Photo Shoot में Baby थे। Kickoff: रात 12:30 IST।

2. Golden Boot Final Race: Mbappe (10 Goals) vs Messi (8 Goals); 3rd-Place Match — France vs England Tonight (Miami, 5 PM ET)
हिन्दी अनुवाद: Golden Boot अंतिम दौड़: एम्बापे (10 गोल) बनाम मेसी (8 गोल); तीसरे स्थान के लिए आज रात Miami में फ्रांस-इंग्लैंड।
19 जुलाई को दो मुकाबले हैं — Miami Gardens में फ्रांस बनाम इंग्लैंड का तीसरे स्थान का मैच (5 PM ET = रात 2:30 IST) और फिर MetLife Stadium में Spain vs Argentina का Grand Final (3 PM ET = 12:30 बजे IST, रात)। Golden Boot दौड़: Mbappe के tournament में 10 गोल (England के खिलाफ 2 और किए), Messi के 8 गोल। Mbappe के career World Cup goals: 20; Messi के career WC goals: 21 — career race में Messi अभी भी 1 आगे। यदि Messi आज फाइनल में गोल करते हैं तो वे Mbappe के करियर रिकॉर्ड की बराबरी या उससे आगे निकल सकते हैं।

संकलन:-
शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर,
बगहा-2, प. चम्पारण ।

🎯 "परिश्रम वह सोना है जो हर कसौटी पर खरा उतरता है — पढ़ते रहो, बढ़ते रहो।"

BPSC 72वीं CCE: 26 जुलाई 2026 — अब मात्र 12 दिन शेष। अंतिम तैयारी में जुट जाएँ!

अनुभाग-6

प्रेरक प्रसंग

असफल अभ्यास, सफल इतिहास

(20 जुलाई – अंतरराष्ट्रीय चंद्र दिवस विशेष)

चाँद पर कदम रखने से पहले नील आर्मस्ट्रांग ने वर्षों तक कठिन प्रशिक्षण लिया। 6 मई 1968 को वे लूनर लैंडिंग रिसर्च व्हीकल (Lunar Landing Research Vehicle – LLRV) नामक विशेष प्रशिक्षण यान उड़ा रहे थे। यह यान इस तरह बनाया गया था कि अंतरिक्ष यात्रियों को चंद्रमा पर उतरने जैसी परिस्थितियों में अभ्यास कराया जा सके।

उड़ान के दौरान अचानक यान में तकनीकी खराबी आ गई। कुछ ही क्षणों में वह नियंत्रण से बाहर हो गया। स्थिति इतनी गंभीर हो गई कि दुर्घटना लगभग निश्चित थी।

नील आर्मस्ट्रांग ने घबराने के बजाय तुरंत निर्णय लिया। उन्होंने सही समय पर इजेक्शन सीट का उपयोग किया और पैराशूट के सहारे सुरक्षित नीचे उतर आए। उनके ज़मीन पर पहुँचते ही कुछ ही सेकंड बाद पूरा प्रशिक्षण यान दुर्घटनाग्रस्त होकर नष्ट हो गया।

यह घटना किसी भी व्यक्ति का आत्मविश्वास तोड़ सकती थी। लेकिन नील आर्मस्ट्रांग ने इसे अपनी हार नहीं बनने दिया। उन्होंने दुर्घटना की जाँच में सहयोग किया, अपनी गलतियों और तकनीकी कारणों को समझा और फिर पूरे उत्साह के साथ प्रशिक्षण में लौट आए।

लगातार अभ्यास, अनुशासन और धैर्य का परिणाम यह हुआ कि अगले ही वर्ष, 20 जुलाई 1969 को वही नील आर्मस्ट्रांग अपोलो-11 मिशन के साथ चंद्रमा पर कदम रखने वाले विश्व के पहले मानव बने।

जब उनसे उनकी सफलता का रहस्य पूछा गया, तो उनका जीवन स्वयं उत्तर बन चुका था—सफलता उन लोगों को मिलती है जो कठिन परिस्थितियों से डरकर रुकते नहीं, बल्कि उनसे सीखकर आगे बढ़ते हैं।

प्रेरणा : जीवन में असफल अभ्यास या कठिन परिस्थितियाँ अंत नहीं होतीं। वे हमें बड़ी सफलता के लिए तैयार करती हैं।

................✍️
मनोज कुमार
प्रधानाध्यापक
रा.म.वि.वाल्मीकिनगर
बगहा 2, प. चम्पारण।

"शिक्षक संवर्धन"

पोर्टफोलियो और एनेकडोटल रिकॉर्ड — अंकों से परे बच्चे की वास्तविक कहानी

शिक्षक साथियों, राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP 2020) जिस 360-डिग्री समग्र रिपोर्ट कार्ड (Holistic Progress Card) की बात करती है, उसे ज़मीन पर उतारने के सबसे सशक्त साधन पोर्टफोलियो और एनेकडोटल रिकॉर्ड हैं। अक्सर हम बच्चों का मूल्यांकन केवल उनके टेस्ट पेपर्स को देखकर करते हैं। लेकिन क्या एक परीक्षा की कॉपी यह बता सकती है कि बच्चा कितना अच्छा चित्र बनाता है, वह दूसरों की कितनी मदद करता है, या पिछले छह महीनों में उसकी लिखावट में कितना सुधार हुआ है? बिल्कुल नहीं। इसीलिए शिक्षाशास्त्र में इन दो अभिलेखों का विशेष महत्व है:

1. पोर्टफोलियो (Portfolio): यह बच्चे द्वारा पूरे सत्र में किए गए उत्कृष्ट और चुनिंदा कार्यों का एक व्यवस्थित संग्रह (Collection) होता है। यह एक साधारण फ़ाइल या फोल्डर हो सकता है, जिसमें बच्चे के हाथ से बनाए गए चित्र, सुंदर सुलेख, गणित के प्रोजेक्ट, कविताएं या उसकी लिखी कहानियां क्रमानुसार रखी जाती हैं। यह बच्चे की प्रगति का एक दृश्य प्रमाण (Visual Evidence) है।
2. एनेकडोटल रिकॉर्ड (Anecdotal Record / वृत्त अभिलेख): यह शिक्षक द्वारा तैयार की गई एक छोटी डायरी या नोटबुक होती है, जिसमें बच्चे के जीवन की किसी विशिष्ट घटना, व्यवहार या आकस्मिक प्रसंग का संक्षिप्त और वस्तुनिष्ठ विवरण (Objective Description) लिखा जाता है। इसमें शिक्षक अपनी भावनाएं नहीं लिखता, बल्कि जैसा घटित हुआ, वैसा ही दर्ज करता है।

उदाहरण और व्यावहारिक अनुप्रयोग:

आइए इसे अपनी कक्षा के दो बच्चों के उदाहरण से समझते हैं कि कैसे ये उपकरण हमारी प्राथमिक कक्षा में काम करते हैं।

परिस्थिति 1: पोर्टफोलियो का जादू (कक्षा 2 की 'आरती')

आरती सत्र के शुरुआत (अप्रैल) में अक्षरों को बहुत टेढ़ा-मेढ़ा लिखती थी। शिक्षक ने उसके उस पहले पन्ने को उसकी फ़ाइल (पोर्टफोलियो) में लगा दिया। जुलाई में आरती ने एक छोटा सा सुंदर घर बनाया और उसमें रंग भरा, शिक्षक ने उसे भी फ़ाइल में जोड़ दिया। अक्टूबर आते-आते आरती छोटे-छोटे वाक्य साफ़ लिखने लगी। शिक्षक ने उसके उस काम को भी सहेज लिया।

जब नवंबर में अभिभावक-शिक्षक बैठक (PTM) हुई, तो शिक्षक ने आरती के पिता को वह फ़ाइल दिखाई। आरती के पिता ने जब अप्रैल और अक्टूबर के पन्नों को एक साथ देखा, तो उन्हें अपनी बेटी की प्रगति साफ़ नज़र आ गई। आरती ने भी अपनी पुरानी कृतियों को देखकर गर्व महसूस किया। यह पोर्टफोलियो है, जो बच्चे को खुद से अपनी तुलना करके आगे बढ़ना सिखाता है।

परिस्थिति 2: एनेकडोटल रिकॉर्ड का महत्व (कक्षा 4 का 'राहुल')

राहुल अक्सर कक्षा में थोड़ा आक्रामक रहता था। एक दिन लंच के समय, शिक्षक ने खिड़की से देखा कि कक्षा 1 का एक छोटा बच्चा फर्श पर गिर गया और उसका दूध का गिलास छूट गया। राहुल तुरंत दौड़कर गया, उसने उस छोटे बच्चे को उठाया, उसके आंसू पोंछे और अपनी बोतल से उसे पानी पिलाया।

शिक्षक ने तुरंत अपनी डायरी निकाली और राहुल के नाम के नीचे तारीख के साथ लिखा: "18 जुलाई, लंच के समय राहुल ने स्वेच्छा से कक्षा 1 के गिरे हुए बच्चे की मदद की और संवेदनशीलता दिखाई।" यह एनेकडोटल रिकॉर्ड है। जब सालाना मूल्यांकन होगा, तो यह रिकॉर्ड बताएगा कि राहुल केवल एक 'गुस्सैल' बच्चा नहीं है, बल्कि उसके भीतर एक दयालु दिल भी छिपा है।

शिक्षक साथियों, इन दोनों अभिलेखों को बनाए रखना बेहद सरल है। पोर्टफोलियो के लिए आप पुरानी कॉपियों के पन्नों या अखबार के लिफाफों से हर बच्चे के नाम की एक फ़ाइल बना सकते हैं, जिसे रखने की जिम्मेदारी खुद बच्चों को सौंप दें। एनेकडोटल रिकॉर्ड के लिए एक पॉकेट डायरी रखें। ध्यान रहे, इन रिकॉर्ड्स का उद्देश्य बच्चों की कमियां ढूंढकर उन्हें सजा देना नहीं है, बल्कि उनकी छिपी हुई क्षमताओं को पहचानना और उनके आत्मविश्वास को बढ़ाना है।

आज के इस संवर्धन अंक का सार यह है कि हर बच्चा अपने आप में अनूठा है और उसकी सीखने की यात्रा भी अलग है। पोर्टफोलियो और एनेकडोटल रिकॉर्ड हमें बच्चों को सिर्फ एक 'रोल नंबर' या 'अंक' के रूप में नहीं, बल्कि एक बहुरंगी व्यक्तित्व के रूप में देखने की दृष्टि देते हैं। आज चिंतन कीजिएगा कि क्या आपकी कक्षा के बच्चों के पास अपनी कला और रचनात्मकता को सहेजने के लिए एक प्यारी सी फ़ाइल है?

..................✍️
मनोज कुमार झा
प्रधानाध्यापक
राज़कीयकृत म.वि. सर्वोदय
बेतिया, प. चम्पारण।

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

"पाठक पृष्ठ"

दैनिक भास्कर
बेतिया भास्कर 06-04-2026

संडे पॉजिटिव सरकारी स्कूलों के शिक्षकों की टीम चंपारण ज्ञानाग्रह से मौन किंतु प्रभावी शैक्षिक क्रांति की बन रही साक्षी

चंपारण-ज्ञानाग्रह : बिहार के शैक्षिक पुनर्जागरण का आधुनिक शंखनाद, सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही

मणिकांत मिश्र|बेतिया

बिहार की ऐतिहासिक धरती, जो कभी नालंदा और विक्रमशिला के ज्ञानलोक से संपूर्ण विश्व को आलोकित करती थी, आज पुनः एक मौन किंतु अत्यंत प्रभावी शैक्षिक क्रांति की साक्षी बन रही है। इस वैचारिक क्रांति का ध्वजवाहक है चम्पारण-ज्ञानाग्रह। यह केवल एक दैनिक बुलेटिन या पीडीएफ श्रृंखला नहीं है, बल्कि टीचर्स ऑफ बिहार के समर्पित शिल्पकारों द्वारा गढ़ा गया एक ऐसा बौद्धिक अनुष्ठान है, जो राज्य के सुदूर ग्रामीण क्षेत्रों के सरकारी विद्यालयों में ज्ञान की गंगा प्रवाहित कर रहा है। चम्पारण सत्याग्रह की पावन स्मृतियों से ऊर्जस्वित यह पत्रिका आज बिहार के हजारों विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं का प्राण बन चुकी है। इस महती परियोजना के केंद्र में जिले के बगहा दो प्रखंड क्षेत्र के प्राथमिक विद्यालय बोदसर के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार का तपस्वी व्यक्तित्व है। उनके प्रधान संपादकीय और संकलन कौशल

चंपारण ज्ञानाग्रह टीम द्वारा जारी बुलेटिन।

निष्कर्ष : दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर एक अमिट हस्ताक्षर बन चुका है

टीचर्स ऑफ बिहार- द चेंज मेकर्स के बैनर तले प्रकाशित यह पत्रिका यह सिद्ध करती है कि बिना किसी व्यावसायिक स्वार्थ या सरकारी वित्त पोषण के भी यदि संकल्प शक्ति दृढ़ हो, तो शिक्षा के क्षेत्र में युगांतरकारी परिवर्तन लाया जा सकता है। यह दैनिक ज्ञानकोश बिहार के शैक्षिक परिदृश्य पर अमिट हस्ताक्षर बन चुका है। चम्पारण-ज्ञानाग्रह केवल शब्दों का संकलन नहीं है; यह शैलेन्द्र कुमार व टीम के उस अटूट विश्वास का प्रतिबिंब है कि शिक्षक बदलेंगे, तो

शिक्षक संवर्धन खंड केवल सूचनात्मक लेखों का संग्रह नहीं, यह शिक्षकों के व्यावसायिक कौशल व शिक्षण पद्धतियों के नवाचार का एक विमर्श मंच है। मनोज कुमार झा के लेखों में मनोविज्ञान, विद्यालय प्रबंधन व शैक्षिक चुनौतियों का जो विश्लेषण मिलता है। वह शिक्षकों को पारंपरिक ढर्रे से निकालकर आधुनिक शिक्षण की ओर प्रेरित करता है। यह खंड शिक्षकों को यह अहसास कराता है कि वे केवल कर्मचारी नहीं,बल्कि समाज के चेंज मेकर्स हैं। जब एक शिक्षक इस पत्रिका के माध्यम से नई शिक्षण विधियों,बाल मनोविज्ञान और नेतृत्व कौशल से लैस होता है,तो उसका सीधा लाभ कक्षा के अंतिम

हिन्दुस्तान

सामान्य बुद्धि के साथ सिलेबस ज्ञान बढ़ा रहा 'चंपारण ज्ञानाग्रह'

हि विशेष

■ चन्द्रभूषण शांडिल्य

बगहा। सरकारी विद्यालयों में पढ़ने वाले बच्चों को कम समय से अधिक से अधिक जानकारी देने को नित नवाचार होते रहते हैं। ऐसा ही एक नवाचार बगहा के एक विद्यालय से शुरु हुआ जो आज करीब-करीब एक हजार विद्यालयों में फॉलो किया जा रहा है। रोज प्रार्थना की घंटी बजने के बाद इसका वाचन होता है और बच्चों को नयी जानकारी मिलती है। हम बात कर रहे हैं 'चंपारण ज्ञानाग्रह' की। जिले के बगहा दो प्रखंड के मंगलपुर अवसानी पंचायत के राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय औसानी से रोज सुबह चंपारण ज्ञानाग्रह तैयार कर विभिन्न विद्यालयों के ग्रुपों में भेजा जाता है, जिसका उपयोग रोज किया जाता है। एनसीईआरटी की पुस्तकों से तैयार की गई प्रश्नोत्तरी का यह ज्ञानाग्रह बच्चों के सामान्य बुद्धि के साथ ही सिलेबस ज्ञान को भी बढ़ा रहा है। चंपारण ज्ञानाग्रह को बनाने वाले राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर

- चेतना सत्र के दौरान होता है इस प्रार्थना सभा सामग्री का
- गर्मियो की छुट्टी के दौरान शुरु हुआ चंपारण ज्ञानाग्रह, मिला टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप का साथ

01
सौ आठ अंक का हो चुका प्रकाशन

के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार ने बताया कि गर्मियों की छुट्टी के दौरान सोचा कि आखिरकार बच्चों से कैसे कनेक्ट रहा जाए तथा पढ़ाई के प्रति उनमें रुचि कैसे जमायी जाए। काफी विचार विमर्श के बाद प्रश्नों की श्रृंखला तैयार की, जिसका नाम रखा चंपारण ज्ञानाग्रह। इसको कुछ शिक्षा वाले ग्रुपों में शेयर किया रिस्पॉन्स अच्छा मिला। विद्यालय खुलने के बाद कई विद्यालयों में चेतना सत्र के दौरान उसका वाचन शुरू किया गया। आज हजार के करीब विद्यालय ऐसे हैं जो इसका उपयोग प्रार्थना सभा में करते हैं। अब तक इसके 108 अंक प्रकाशित हो चुके हैं। इसको एक बेहतर प्लेटफार्म उपलब्ध कराने में टीचर्स ऑफ बिहार ग्रुप ने दिया।

सामान्य विज्ञान से ज्ञान तक के प्रश्न होते हैं समाहित

चंपारण ज्ञानाग्रह के 108वें अंक मे प्रश्न है, प्रकाश का प्रकीर्णन किसके कारण होता है। रक्त मे यूरिया का उत्सर्जन कहा से होता है, तत्वो का वर्गीकरण किसने किया। विद्युत परिपथ मे स्वीच का कार्य, पर्यावरण मे प्राथमिक उत्पादक, मानव मे पाचन एंजाइम का उदाहरण, वीरंगी के लेखक कौन है। इसके अतिरिक्त शब्द संगम, मुख्य समाचार, विदेशी समाचार, बिहार की खबर, खेल की समाचार और अंत मे प्रेरक प्रसंग शामिल है।

4 दैनिक जागरण मुजफ्फरपुर,08 मई, 2026
बगहा जागरण

'चंपारण-ज्ञानाग्रह' शिक्षकों के प्रयास से हर गांव तक पहुंची शिक्षा की नई अलख

संवाद सूत्र, जागरण• बगहा: बिहार की ऐतिहासिक ज्ञान परंपरा को नई ऊर्जा देते हुए बगहा अनुमंडल से एक सराहनीय शैक्षिक पहल सामने आई है। 'चंपारण-ज्ञानाग्रह' नामक दैनिक शैक्षिक पत्रिका आज सरकारी विद्यालयों में शिक्षा के स्वरूप को बदलने का कार्य कर रही है। बिना किसी बड़े बजट या सरकारी योजना के, शिक्षकों के सामूहिक संकल्प और समर्पण से यह पहल हजारों बच्चों के बौद्धिक और नैतिक विकास का माध्यम बन चुकी है। चम्पारण की ऐतिहासिक धरती से शुरू हुआ यह प्रयास अब एक शैक्षिक आंदोलन का रूप ले चुका है। विद्यालयों की प्रार्थना सभाओं में इस पत्रिका का उपयोग

- यह पत्रिका सरकारी विद्यालयों में बदल रही शिक्षा का स्वरूप
- शिक्षकों के सामूहिक प्रयास से तैयार हुई यह दैनिक पत्रिका

भाषा कौशल, समसामयिक घटनाओं और जीवन मूल्यों की जानकारी दी जा रही है। इससे शिक्षा केवल पुस्तकों तक सीमित न रहकर व्यावहारिक और जीवनोपयोगी बन रही है। दूरदर्शी नेतृत्व में आकार ले रही इस पहल का नेतृत्व राजकीय प्राथमिक विद्यालय बोदसर बगहा दो के प्रधान शिक्षक शैलेन्द्र कुमार कर रहे हैं। उनके मार्गदर्शन में शिक्षकों की एक टीम पिन्टू कुमार, सौरभ कुमार,

प्रखंड संसाधन केंद्र बगहा दो • जागरण

राव, मनोज कुमार और मनोज कुमार झा प्रतिदिन पत्रिका का संपादन और प्रकाशन कर रही है। टीम द्वारा तैयार सामग्री विद्यार्थियों के स्तर के अनुरूप सरल, रोचक और प्रभावी होती है।

सप्तऋषि माडल से सर्वांगीण संरचना बहुआयामी है, जिसे 'सप्तऋषि माडल' के रूप में विकसित किया गया है। इसमें प्रार्थना सभा, सामान्य ज्ञान, भाषा विकास, 'आज का अखबार' और प्रेरक प्रसंग जैसे खंड शामिल हैं। यह माडल विद्यार्थियों के मानसिक, संतुलित रूप से आगे बढ़ाता है।

> सरकारी विद्यालयों मे इस प्रकार की नवाचारी पहल बच्चों के शैक्षिक वातावरण को समृद्ध करती है। चंपारण-ज्ञानाग्रह विद्यार्थियों के ज्ञान, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास मे सकारात्मक भूमिका निभा रही है। यह अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरणास्रोत है।
>
> फूदन राम, बीईओ, बगहा दो

शिक्षक संवर्धन पर विशेष जोर: पत्रिका का 'शिक्षक संवर्धन' खंड शिक्षकों के निरंतर विकास पर केंद्रित है। इसमें आधुनिक शिक्षण विधियां, कक्षा प्रबंधन और बाल मनोविज्ञान जैसे विषयों पर लेख प्रकाशित किए जाते हैं, जिससे शिक्षक भी स्वयं को अपडेट रखते

कैरियर मार्गदर्शन और जागरूकता: ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यार्थियों को ध्यान में रखते हुए पत्रिका में कैरियर मार्गदर्शन से जुड़े विषयों को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही स्वास्थ्य, आपदा प्रबंधन और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर भी जागरूकता फैलायी जा रही है।

शिक्षा से बदलाव की दिशा: 'टीचर्स आफ बिहार—द चेंज मेकर्स' के बैनर तले संचालित यह पहल यह साबित कर रही है कि सीमित संसाधनों में भी बड़ा बदलाव संभव है। 'चम्पारण-ज्ञानाग्रह' अब केवल एक पत्रिका नहीं, बल्कि शिक्षा के माध्यम से समाज परिवर्तन का सशक्त

"बिहार दर्शन : भागलपुर, अंक–2"

'संपादकीय'✍️

भागलपुर: अंग महाजनपद, विक्रमशिला का वैश्विक ज्ञान और तिलका मांझी का शंखनाद

भागलपुर का इतिहास केवल कालखंडों की संपुटी नहीं, बल्कि भारत की प्राचीनतम सभ्यताओं का धड़कता हुआ केंद्र है। बौद्ध ग्रंथों और पुराणों के अनुसार, यह क्षेत्र अंग महाजनपद की ऐतिहासिक राजधानी चंपा (चंपानगर) था, जिसकी समृद्धि और व्यापारिक नौसैनिक बेड़े सुदूर दक्षिण-पूर्व एशिया (इंडोनेशिया, वियतनाम) तक जाते थे। जैन धर्म के लिए भी यह भूमि परम पवित्र है, क्योंकि यह 12वें तीर्थंकर भगवान पूज्यपाद की गर्भ, जन्म, दीक्षा, केवलज्ञान और मोक्ष कल्याणक की भूमि है। प्राचीन चंपा की यह ऐतिहासिक पृष्ठभूमि सिद्ध करती है कि मगध के उत्कर्ष से पहले भी यह क्षेत्र पूरे आर्यावर्त में आर्थिक और वैचारिक रूप से अग्रणी था।

शिक्षा और वैश्विक ज्ञान के क्षेत्र में भागलपुर का नाम इतिहास के पन्नों पर अमर है। आठवीं शताब्दी में पाल वंश के प्रतापी राजा धर्मपाल द्वारा संस्थापित विक्रमशिला विश्वविद्यालय (कहलगंज) नालंदा के समानांतर संपूर्ण विश्व में बौद्ध दर्शन, व्याकरण, तर्कशास्त्र और तंत्रयान का सबसे बड़ा केंद्र था। महान बौद्ध विद्वान अतीश दीपंकर श्रीज्ञान ने यहीं से तिब्बत की यात्रा कर वहाँ बौद्ध धर्म का पुनरुद्धार किया था। यद्यपि 12वीं शताब्दी के अंत में बख्तियार खिलजी के आक्रमण ने इस महान ज्ञान-मंदिर को मलबे के ढेर में तब्दील कर दिया, परंतु हाल के उत्खननों में निकले इसके विशाल स्तूप, पुस्तकालय कक्ष और भित्तिचित्र आज भी प्राचीन भारतीय शिक्षा व्यवस्था के स्वर्णिम युग की गवाही देते हैं।

भारतीय स्वतंत्रता संग्राम और औपनिवेशिक प्रतिरोध के इतिहास में भागलपुर ने देश को पहला सशस्त्र विद्रोह सौंपा। सन 1784-85 में इस मिट्टी ने बाबा तिलका मांझी (जाबरा पहाड़िया) का वह ऐतिहासिक विद्रोह देखा, जिसने ब्रिटिश साम्राज्य की चूलें हिला दी थीं। तिलका मांझी ने स्थानीय आदिवासियों को लामबंद कर तीर-धनुष के बल पर अत्याचारी ब्रिटिश कलेक्टर ऑगस्टस क्लीवलैंड को घोड़े से गिराकर मार डाला था। बाद में उन्हें धोखे से गिरफ्तार कर भागलपुर के चौराहे पर एक विशाल बरगद के पेड़ से लटकाकर फांसी दे दी गई। फांसी के फंदे पर मुस्कुराते हुए झूलने वाले बाबा तिलका मांझी देश के पहले ऐसे स्वतंत्रता सेनानी बने जिन्होंने जलियांवाला बाग और १८५७ की क्रांति से बहुत पहले आदिवासी अस्मिता और मातृभूमि के लिए प्राण न्यौछावर किए। आज वह ऐतिहासिक स्थल 'तिलका मांझी चौक' और भागलपुर विश्वविद्यालय इस अमर नायक के नाम से सुशोभित हैं।

साहित्य, कला और मेधा के धरातल पर भागलपुर की भूमि असाधारण रूप से उर्वर रही है। बांग्ला साहित्य के अमर कथाशिल्पी शरतचंद्र चट्टोपाध्याय ने अपने जीवन का एक लंबा और महत्वपूर्ण समय भागलपुर (अपने ननिहाल) में बिताया, और उनके कालजयी उपन्यास 'देवदास' व 'श्रीकांत' के कई पात्र इसी मिट्टी के अनुभवों से प्रेरित थे। इसके साथ ही, हिंदी साहित्य के प्रखर लेखक बनारसी प्रसाद भोजपुरी और आधुनिक काल के कई कवियों ने अपनी लेखनी से राष्ट्रीय चेतना को धार दी। लोक-कला की दृष्टि से यहाँ की 'मंजूषा कला' (Manjusha Art), जो बिहुला-विषहरी की लोक-गाथा पर आधारित है, अंग प्रदेश की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान है, जिसमें सांपों और लहरदार रेखाओं के माध्यम से सती बिहुला के साहस की कहानी को पटचित्रों पर उकेरा जाता है।

भागलपुर का यह दूसरा ऐतिहासिक अंक यह स्पष्ट करता है कि यहाँ के समाज में ज्ञान की गहराई, अन्याय के खिलाफ संघर्ष का माद्दा और कलात्मक सूक्ष्मता का एक अद्भुत संगम है। विक्रमशिला के खंडहरों की ज्ञान-गूँज हो, बाबा तिलका मांझी का अदम्य तीर-शंखनाद हो या मंजूषा कला के चटक रंग—ये सभी तत्व मिलकर भागलपुर को भारतीय चेतना का एक अमर और वंदनीय अध्याय बनाते हैं।

...........✍️

शैलेन्द्र कुमार
प्रधान शिक्षक
रा.प्रा.वि. बोदसर, बगहा-2

Reg. No. BR/2025/0487469

"चम्पारण-ज्ञानाग्रह"

आइए, हम मिलकर छात्रों के ज्ञान, प्रेरणा और जिज्ञासा को नयी दिशा दें। 🌿🙏

Thank You..

बच्चों के हितार्थ अपना बहुमूल्य समय देने के लिए।

संपादक:-

शैलेन्द्र कुमार

'प्रधान शिक्षक'

Govt. PS बोदसर,

बगहा-2, प. चम्पारण।

(10010803702)

📱-9939671700

अगर आपके मन में कोई नया विचार, कोई इवेंट, कोई एक्टिविटी या किसी बदलाव की पहल है, तो कृपया टीम में बताइए।

+917250818080

teachersofbihar@gmail.com

+917250818080

www.teachersofbihar.org